679

RJ-04

December - Examination 2016

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

Paper - RJ-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देस : औ पेपर खंड अ, ब, अर स में बंट्योड़ौ है। खंड 'अ' मांय साव छोटा सवाल, खं 'ब' मांय छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है। हरेक खंड रै आगे दियोड़ा निर्देसां मुजब आपरा पडूत्तर मांडो।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

निर्देस : इण खंड रा सगळा सवालां रो उथळो देवणो जरूरी है। सबद सीमा 1 सबद, 1 वाक्य या अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) ''माधवानल काम कंदला चौपाई'' ग्रंथ रा रचयिता कुण है?

(ii) कवि नरारिदास बारहठ री प्रसिद्ध भगती परक रचना रो नांव लिखो।

(iii) कवि पृथ्वीराज राठौड़ रो सम्बन्ध कुणसै राजघराणै सूं हो?

(iv) बांकीदास कठै रा राजकवि हा?

(v) 'हरीरस' रा रचयिता कुण है?

(vi) 'द्रोपदी विनय' किण कवि री रचना है?

(vii) नीतिकाव्य 'राजिया रा सोरठा' में राजिया कुण है?

(viii) सांयाझूला रो जलम कठै हुयो?

(ix) संत कवयित्री सहजोबाई रो सम्बंध किण संत संप्रदाय सूं है?

(x) चावै लक्षणग्रंथ 'रघुवर जस प्रकास' रा लिखारा कुण है?

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

निर्देस : नीचै लिख्या प्रस्नां सूं कोई चार प्रस्न करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) मध्यकालीन जैन काव्य बाबत आपरी जाणकारी दिरावो।

3) भगत कवयित्री मीराबाई रो जीवण–परिचै उजागर करो।

4) राजस्थानी काव्य परम्परा में कवि ईसरदास रो योगदान आपरै सबदां में लिखौ।

5) राजस्थानी काव्य परम्परा में कवि कृपाराम खिड़िया रो महत्व दरसावौ।

6) 'ढोला–मारू रा दूहा राजस्थानी री चावी लोक कथा है। इण कथन नै मांडार लिखौ।

7) मध्यकाल री लौकिक काव्य परम्परा बाबत आपरी संक्षिप्त टीप लिखौ।

8) 'वैण सगाई' अलंकार रो परिचै अर भेद लिखौ।

9) राजस्थानी छंद सास्त्र परम्परा ने सार रूप में लिखौ।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

निर्देस : नीचे लिख्या प्रस्नां मांय सूं कोई दो प्रस्न करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) जेठवा–ऊजळी री कथा बतावौ।

11) मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री प्रमुख धारावां रो वर्णन करौ।

12) प्रसिद्ध कवि बांकीदास रै व्यक्तित्व अर कृतित्व ने उजागर करौ।

13) राजस्थान रा खास–खास संत संप्रदायां अर वांरै प्रवर्तकां रो परिचै करावौ।